S-214

Total Pages : 3 Roll No. ....

MAHL-605

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग एक)

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

3rd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. लोक साहित्य से आप क्या समझते हैं? लोक साहित्य के स्वरूप और प्रवृत्ति पर सविस्तार चर्चा कीजिए।

2. कुमाऊनी लोक साहित्य का वर्गीकरण करते हुए उसके गद्य एवं पद्य स्वरूप की विवेचना कीजिए।

3. कुमाऊनी लोक साहित्य के क्रमिक विकास का परिचय देते हुए उसके संरक्षण में योगदान देने वाले प्रमुख विद्वानों के योगदान का उल्लेख कीजिए।

4. कुमाऊनी लोककथाओं के शिल्प एवं संवेदना पर विस्तृत निबंध लिखिए।

5. कुमाऊनी लोकगीतों का वर्गीकरण करते हुए संस्कार गीतों को सोदाहरण समझाइए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. न्योली गीतों की विषय-वस्तु को सोदाहरण समझाइए।

2. जागर से आप क्या समझते हैं? जागर की गायन पद्धति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. कुमाऊनी लोकगाथाओं का वर्गीकरण कीजिए।

4. कुमाऊनी लोकगीत की सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

5. कुमाऊनी लोक साहित्य में कहावतों एवं मुहावरों के महत्त्व को संक्षिप्त रूप से स्पष्ट कीजिए।

6. कुमाऊनी नाट्य साहित्य के उद्भव एवं विकास पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. 'चांचड़ी' लोकगीतों की प्रमुख विशेषताएं संक्षेप में लिखिए।

8. लोक साहित्य एवं लोकवार्ता के अंतर्संबंधों को स्पष्ट कीजिए।